**Paper - V**

# MT

**Seat No.** | | | | | | | |

**2018 .... .... 1100**

**MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - V**

**Time : 3 Hours** **(Pages 09)** **Max. Marks : 80**

---

**सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।**

**(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।**

**(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।**

**(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।**

**विभाग 1 : गद्य** **20 अंक**

**प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **(8)**

**1)** i) **समझकर लिखिए।** **2**

यह है वाणी -

(1) ------- (2) ------

ii) इन पर निर्भर है मनुष्य के जीवन का समाधान

(1) ------ (2) ------

वाणी ईश्वर द्वारा मनुष्य को दी गई एक बड़ी देन है । वह मनुष्य के चिंतन का फलित है और उसका साधन भी । चिंतन के बगैर वाणी नहीं और वाणी के बगैर चिंतन नहीं और दोनों के बगैर मनुष्य नहीं ।

मनुष्य के जीवन का समाधान वाणी के संयम और उसके सदुपयोग पर निर्भर है । मनुष्य के सारे चिंतनशास्त्र वाणी पर आधारित हैं । दर्शनों का सारा प्रयास विचारों को वाणी में ठीक-से पेश करने के लिए रहा है । वाणी विचार का शरीर ही है । कोई खास विचार किसी खास शब्द में ही समाता है । इसलिए गंभीर चिंतन करने वाले निश्चित वाणी की खोज करते रहते हैं ।

पतंजलि के बारे में कहते हैं कि उसने चित्तशुद्धि के लिए योगसूत्र लिखे, शरीरशुद्धि के लिए वैद्यक लिखा और वाक्शुद्धि के लिए व्याकरण महाभाष्य लिखा । ये तीनों चीजें लिखने वाला पतंजलि एक ही था या अलग-अलग इस ऐतिहासिक प्रश्न को हम अभी छोड़ दें । परंतु महत्त्व की बात यह है कि व्याकरण का उद्देश्य वाणी की शुद्धि करना माना गया है ।

**2)** i) **सत्य या असत्य लिखिए।** **1**

(1) व्याकरण का उद्देश्य वाणी की शुद्धि करना होता है।

(2) चिंतन के लिए वाणी की जरूरत नहीं होती है।

ii) **सहसंबंध लिखिए।** **1**

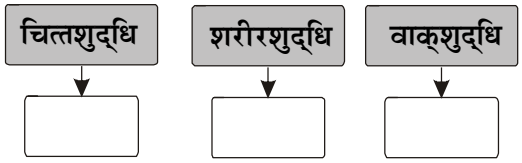


**3)** i) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।** **1**

(1) बडी (2) चिन्तन

ii) **समानार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) मनुष्य (2) समाधान

**4)** **वाणी का महत्त्व पर अपने विचार लिखिए।** **2**

**प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **(8)**

**1)** i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

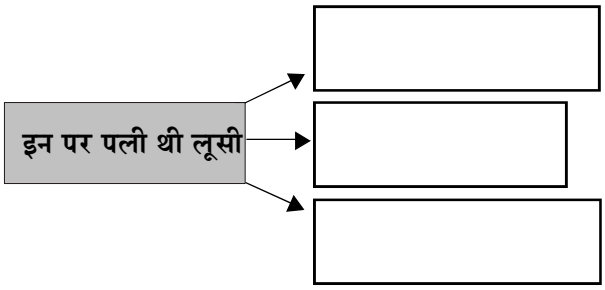


ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) यह प्रचलित है कूर्मांचल में -

(2) पहाड़ी कन्या इसकी तरह थी -

चाय के प्याले खनकते हैं और उधर कालाखान के जंगलों में एक चिड़िया निरंतर रट लगाने लगती है ..... जुहो! जुहो ! जुहो ! इस दर्द भरी पुकार से हम सब परिचित हैं । ताकुला की गहरी घाटियों में उगे बाँस के वनों में, कौसानी के झरनों पर, कल्यूर में गोमती के किनारे यह पुकार हर यात्री को सुनाई पड़ती है । यह चिड़िया बराबर बोलती है । जुहो! जुहो ! जुहो! हमारी उत्सुकता देखकर मैनेजर ने बताया कि इस पक्षी के बारे में एक मार्मिक लोककथा कूर्मांचल में प्रचलित है । कहते हैं कि किसी जमाने में एक अत्यंत रूपवती

पहाड़ी कन्या थी जो 'वर्डस्वर्थ' की 'लूसी' की तरह झरनों के संगीत, वृक्षों के मर्मर और घाटियों की प्रतिध्वनियों पर पली थी । लेकिन उसका पिता गरीब था और लाचारी में उसने अपनी कन्या मैदानों में ब्याह दी, वे मैदान जहाँ सूरज आग की तरह तपता है, जहाँ झरनों और बँगलों का नामो–निशान नहीं, जहाँ भूखे अजगरों की तरह धधकती लूएँ आदमी को साबित निगल जाती हैं ।

**2)** i) **उचित पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

(1) **हमारी उत्सुकता देखकर मैनेजर ने बताया कि** .....

(क) इस पक्षी के बारे में एक लोककथा कूर्मांचल में प्रचलित है।

(ख) इस जानवर के बारे में एक लोककथा कूर्मांचल में प्रचलित है।

(ग) मनुष्य के बारे में एक लोककथा कूर्मांचल में प्रचलित है।

(2) **चिड़िया यह बराबर बोलती है** .....

(क) भोल जाला, भोल जाला।

(ख) जुहो-जुहो-जुहो।

(ग) सुबह हुई, सुबह हुई।

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) यह जंगल में निरंतर रट लगा रही थी -

(2) यह थी चिड़िया की रट -

**3)** i) **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी लिखिए।** **1**

(1) निरंतर (2) प्रचलित

ii) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) परिचित (2) गरीब

**4)** **'हिमालय और पर्यावरण' विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।** **2**

**प्र.1. (ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **(4)**

**1)** i) **उत्तर लिखिए :** **½**

ऋषि - मुनियों की नज़र में चोर की परिभाषा।

ii) **उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :** **½**

महात्मा गांधी का समस्त जीवनदर्शन ..... था।

(अर्थ-सापेक्ष / श्रम - सापेक्ष / कर्म - सापेक्ष)

**2) आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

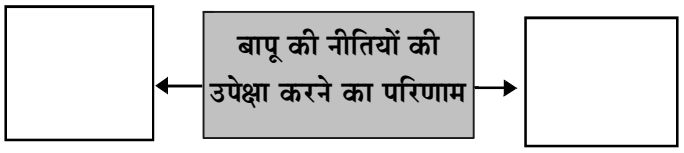


महात्मा गांधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि-मुनियों ने कहा है- बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुत: चोर है। महात्मा गांधी का समस्त जीवनदर्शन श्रम - सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता है कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो रहा है और न अपराधों की वृध्दि हमारे वश की बात हो रही है।

**3) 'मनुष्य के जीवन में श्रम का महत्व' विषय पर अपने विचार 8 से 10 पंक्तियों में लिखिए।** **2**

## विभाग 2 - पद्य

**16 अंक**

**प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **(8)**

**1)** i) **चौखट पूर्ण कीजिए ।** **1**

(1) **कृष्ण के ब्याह में बाराती होंगे-** ☐

(2) **बारात में यह गाया जाएगा-** ☐

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

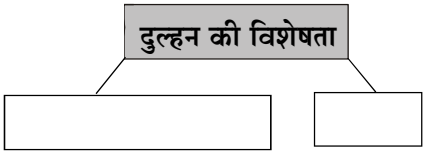


कान लाय कछु कहत जसोदा दाउहिं नाहिं सुनैहौं।
चंदा हूँ ते अति सुंदर तुझे नवल दुल्हैया ब्यैहौं।
तेरी सौंह मेरी सुन मैया हौं अब ही ब्याहन जैहौं।।
सूरदास सब सखा बराती नूतन मंगल गैहौं।

**2)** **कारण बताइए।** **1**

i) कृष्ण द्वारा माँ की सौगंध खाने का कारण -

ii) कृष्ण की प्रसन्नता का कारण - **1**

**3)** i) **मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द लिखिए।** **1**

(1) चन्दा (2) मङ्गल

ii) **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायी शब्द पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) सौगंध (2) नया

**4)** **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

*''कान लाय कछु कहत जसोदा दाउहिं नाहिं सुनैहौं।*
*चंदा हूँ ते अति सुंदर तुझे नवल दुल्हैया ब्यैहौं।"*

**प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **(8)**

**1)** i) **सोचकर लिखिए।** **1**

ii) पद्यांश में प्रयुक्त पक्षी के दो अंगों के नाम लिखिए। **1**

और मिट गया चलते-चलते,
मंजिल-पथ तय करते-करते,
खाक चढ़ाएगा जग तेरे उन्नत भाल और आँखों पर।
खग, उड़ते रहना जीवन भर!

**2)** i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

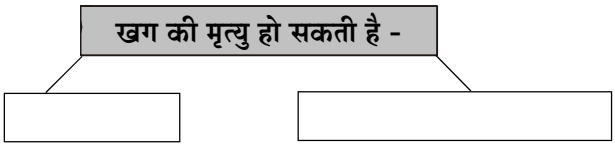

ii) **उत्तर लिखिए ।** **1**

लोग खग की खाक चढ़ाएँगे -

(1) ..... (2) .....

**3)** i) **निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए।** **1**

(1) खाक (2) मंजिल

ii) **पद्यांश में प्रयुक्त पुनरुक्ति वाले शब्द लिखिए।** **1**

**4)** **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

*'' और मिट गया चलते-चलते,*
*मंजिल-पथ तय करते-करते,*
*खाक चढ़ाएगा जग तेरे उन्नत भाल और आँखों पर।*
*खग, उड़ते रहना जीवन भर!''*

**विभाग 3 - पूरक पठन** **04 अंक**

**प्र.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**

**1)** i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

(1) 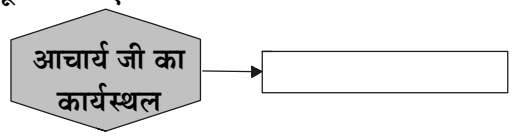


(2) 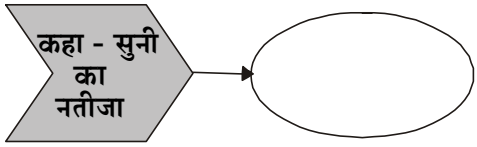


ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) इनकी आपस में कहा-सुनी हुई थी ।

(2) आचार्य जी को इन्होंने समझाया ।

आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी झाँसी में रेलवे ऑफिस में कार्य करते थे। एक दिन किसी बात पर उनकी एक अंग्रेज अफसर से कहा–सुनी हो गई। द्विवेदी जी ने बिना समय गँवाए अपना इस्तीफा दे दिया। अंग्रेज अफसर ने ऐसा सोचा भी नहीं था। इसलिए अफसर और उनके मित्रों ने उन्हें काफी समझाया कि वे अपना इस्तीफा वापस ले लें, लेकिन वह टस–से–मस नहीं हुए। घर आने पर उन्होंने सारा किस्सा अपनी पत्नी को सुनाया, तो वह बोली, ''ठीक ही तो किया। भला थूककर भी कोई चाटता है !'' यह सुनकर द्विवेदी जी का स्वाभिमान जाग उठा और उन्होंने इस्तीफा वापस लिया ही नहीं।

**2)** **'स्वाभिमान इंसान का एक महत्त्वपूर्ण गहना है।' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।** **2**

**विभाग 4 - व्याकरण** **10 अंक**

**प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**

**1)** i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½
दुश्वार -

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए ।** ½
उसकी ऐसी गरीबी देखकर मेरा हृदय पसीज उठा ।

**2)** **निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए ।** **1**
राजा की हुक्म टल नहीं सकती ।

**3)** i) **निम्नलिखित सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½
देना -

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** ½
रामू की बहू ने तय कर लिया ।

**4)** **प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए ।** **1**

| **क्रिया** | **प्रथम प्रेरणार्थक** | **द्वितीय प्रेरणार्थक** |
|---|---|---|
| बैठना | -------- | ------- |

**5)** i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**
अतिरिक्त

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** **1**
वह महूरत भी मालुम हो, जब बिल्ली की हत्या हुई, तब नरक का पता चलेगा ।

**6)** **कालपरिवर्तन कीजिए ।** **2**
i) हम दिल्ली आ गए थे । (पूर्ण वर्तमानकाल)
ii) मानो जिंदगी की डोर हाथ में आ गई । (सामान्य भविष्यकाल)

**7)** i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए ।** **1**
जान के लाले पड़ना

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए । 1**
**(मोल लेना, कानों में गूँजना, खिलखिलाकर हँसना)**
मामाजी को आते देखकर छोटी राधा **अत्यंत प्रसन्नता से हँसने लगी** ।

**विभाग 5 - रचना** **30 अंक**

**प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है । (15)**

**1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए :- 5**
सार्वजनिक गणेशोत्सव के समय 24 घंटे ऊँची आवाज में रेकार्ड बजने के कारण कोल्हापुर रहने वाले करन / करिश्मा वेद के अध्ययन में बाधा पड़ती है । इस संदर्भ में वह शहर कोतवाल, शहर विभाग, कोल्हापुर को शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।

**अथवा**

गांधी नगर, अमरावती में अशुद्ध जल की आपूर्ति होने के कारण वहाँ के निवासी त्रस्त हैं । इस संदर्भ में महेश शर्मा / महिमा शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी, महानगर पालिका, अमरावती को शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।

**2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । 5**
लोमड़ी और सारस:घनिष्ट मित्रता - लोमड़ी द्वारा सारस को दावत - खीर बनाकर थाली में परोसना - चोंच लंबी होने के कारण खा न पाना - सारस द्वारा लोमड़ी को दावत - खीर बनाकर पतली गर्दन वाली सुराही में परोसना

**3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके । 5**
सुंदर प्रतिभा, मनभावनी चाल और स्वच्छंद प्रकृति ये ही दो- चार बातें देखकर मित्रता की जाती है । पर जीवन-संग्राम में साथ देने वाले मित्रों में इनसे कुछ अधिक बातें चाहिए । मित्र केवल उसे नहीं कहते, जिसके गुणों की तो हम प्रशंसा करें पर जिसे हम स्नेह न कर सकें । जिससे हम अपने छोटे काम को तो निकालते जाएँ पर भीतर ही भीतर घृणा करते रहें । मित्र सच्चे पथ-प्रदर्शक के समान होना चाहिए, जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकें । मित्र भाई के समान होना चाहिए,जिसे हम अपना प्रीतिपात्र बना सकें । हमारे और मित्र के बीच सच्ची सहानुभूति होनी चाहिए, ऐसी सहानुभूति जिससे दोनों मित्र एक-दूसरे की बराबर खोज-खबर लें । ऐसी सहानुभूति, जिससे एक के हानि-लाभ को दूसरा अपना हानि-लाभ समझे । मित्रता के लिए आवश्यक नहीं है कि दोनों मित्र एक ही प्रकार का कार्य करते हों या एक ही रुचि के हों । दो भिन्न प्रकृति के मनुष्यों में भी बराबर की प्रीति और मित्रता देखी जाती है ।

**प्र.6. प्रसंग लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** **5**

मैं ग्रीष्मावकाश में गाँव गया था । नब्बे वर्ष के रामू काका को आम का पौधा लगाते देख मैं स्तब्ध रह गया । मन में सोचा कि इन्हें तो इस पेड़ के आम खाने के लिए नहीं मिलेंगे । फिर भी वे पौधा लगा रहे हैं । मैंने जिज्ञासावश उन्हें इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा,.....

**2) स्वमत लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** **5**

पेड़ लगाओ, देश बचाओ पर आधारित एक नाटिका मैंने देखी । उसे देखने के बाद मेरे मन में विचार आए.....।

**3) निबंध लेखन । (लगभग 80 से 100 शब्दों में)** **5**

**किसी एक विषयपर निबंध लिखिए ।**

1) मेरा प्रिय वैज्ञानिक
2) पर्यावरण व विकास

**Best Of Luck** 👍